बाज और साँप

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» कहानी का परिवेश और पात्रों का प्रारंभिक स्वभाव

प्रश्न 1 (आसान). इस कहानी का मुख्य परिवेश शुरुआत में कहाँ दिखता है?
उत्तर – समुद्र किनारे पर्वत की अँधेरी गुफा और उसके आसपास।

प्रश्न 2 (आसान). शुरुआत में साँप किस तरह की जगह को अपना सुख मानता है?
उत्तर – अपनी गुफा–क्योंकि वह वहाँ सुरक्षित और आरामदेह है।

प्रश्न 3 (मध्यम). समुद्र की लहरें और नदी का शोर कहानी में क्यों जोड़ा गया होगा?
उत्तर – ताकि माहौल/तनाव बने और उसी में साँप-बाज के स्वभाव (सुरक्षा चाह बनाम आकाश चाह) उभरकर आएं।

प्रश्न 4 (कठिन). अगर परिवेश सिर्फ शांत मैदान होता और समुद्र-नदी का शोर न होता, तो साँप के प्रारंभिक स्वभाव (सुरक्षित/गुफा-प्रेम) को कहानी कैसे अलग तरह से दिखाती?
उत्तर – शोर और टकराव के बिना 'सुरक्षा का एहसास' कम उभरता। तब लेखक को साँप की सुरक्षित रहने की चाह किसी और संकेत (जैसे गुफा का आराम, ठंडक, अँधेरा, खतरे से दूरी) से ज्यादा स्पष्ट करना पड़ता।

» घायल बाज का 'कोई शिकायत नहीं' विचार

प्रश्न 5 (आसान). घायल बाज किस भाव से बोलता है–"मुझे ____ है"?
उत्तर – कोई शिकायत

प्रश्न 6 (आसान). बाज़ शिकायत क्यों नहीं करता–एक लाइन में बताओ।
उत्तर – क्योंकि उसने अपनी ताकत रहते हुए जीवन के सुख पूरे जी लिए।

प्रश्न 7 (मध्यम). "जी भरकर उसे भोगा है" का मतलब बाज के किस विचार से जुड़ता है?
उत्तर – कि उसने जीवन के आनंद का पूरा स्वाद लिया, इसलिए अब पछतावे/शिकायत की जगह नहीं।

प्रश्न 8 (कठिन). बाज़ का 'तुम्हारा दुर्भाग्य' वाला वाक्य क्या बताता है? (भाव सहित कारण लिखो)
उत्तर – यह बताता है कि जीवन का आनंद मौके पर ही मिलता है। जिसने उड़ान/आनंद जीकर अपना समय बिताया, उसे पछतावा नहीं; जबकि जो मौका चूक गया, वह आनंद नहीं उठा पाएगा–इसलिए बाज बोलते हुए दुख-सा भाव दिखाता है।

» आकाश बनाम गुफा: साँप की तर्क-प्रणाली

प्रश्न 9 (आसान). साँप आकाश के बदले किस जगह को 'भली' कहता है?
उत्तर – गुफा

प्रश्न 10 (आसान). साँप के अनुसार गुफा में क्या-क्या मिलता है?
उत्तर – आराम और सुरक्षा

प्रश्न 11 (मध्यम). साँप "अंत में तो सबके भाग्य में मरना ही लिखा है" क्यों कहता है–उसका असर क्या पड़ता है?
उत्तर – वह मौत को ढाल बनाकर कोशिश/उड़ने की चाह का महत्व घटा देता है, इसलिए उड़ने जैसी कोशिश से डर/अनिच्छा पैदा होती है।

प्रश्न 12 (कठिन). नीचे दिए कथन में किस तर्क-चरण से मिलान होगा–'उड़ना जोखिम है इसलिए नहीं करना चाहिए।' यह साँप की तर्क-प्रणाली के किस हिस्से से जुड़ता है?
उत्तर – यह सुरक्षा बनाम जोखिम वाले हिस्से से जुड़ता है–साँप गुफा को सुरक्षित बताकर उड़ने को जोखिम मानता है।

» इच्छा का टकराव और प्रयास: बाज का आखिरी प्रयास

प्रश्न 13 (आसान). बाज की 'नयी आशा' कब जग उठती है?
उत्तर – घायल होने के बाद भी, जब वह खुले आकाश को देखता है।

प्रश्न 14 (आसान). बाज आखिरी प्रयास में क्या करता है?
उत्तर – वह अपने पंख फड़फड़ाकर हवा में उड़ने की कोशिश करता है।

प्रश्न 15 (मध्यम). अगर बाज के पंख टूटे थे तो भी उसकी कोशिश का महत्व क्या है?
उत्तर – क्योंकि प्रयास डर के सामने हार मानना नहीं सिखाता; वह आशा को जीवित रखता है और आगे साँप तक बदलाव पहुँचा देता है।

प्रश्न 16 (कठिन). इच्छा का टकराव इस हिस्से में कैसे उल्टा पड़ता है–स्पष्ट लिखो।
उत्तर – पहले साँप बाज को उड़ने से रोकने के लिए डर के तर्क देता है। बाज घायल होकर भी उड़ने की आखिरी कोशिश करता है। बाज की कोशिश/बलिदान के बाद साँप का नजरिया बदलता है–उसके मन में 'आकाश में क्या है?' जैसा सवाल और आकर्षण जागता है, यानी डर का तर्क कमजोर और चाह का विचार मजबूत हो जाता है।

» अनुभव से सीख: साँप का दृष्टिकोण बदलना

प्रश्न 17 (आसान). साँप पहले आकाश को किस तरह समझता था?
उत्तर – पहले वह आकाश को हल्का/मज़ाक जैसा समझता था।

प्रश्न 18 (आसान). बाज़ की मृत्यु का असर साँप के मन पर कैसे पड़ा?
उत्तर – वह सोचता रहा, सवाल उठे और उसके अंदर अर्थ बनने लगा।

प्रश्न 19 (मध्यम). साँप के दृष्टिकोण बदलने के पीछे सिर्फ 'घटना' नहीं, 'अर्थ' भी क्यों जरूरी है?
उत्तर – क्योंकि घटना देखी जा सकती है, पर जब दिल में उसका मतलब बनता है, तभी सोच बदलती है।

प्रश्न 20 (कठिन). साँप द्वारा 'मधुर, रहस्यमय गीत' सुनने से उसके दृष्टिकोण में क्या संकेत मिलता है?
उत्तर – यह संकेत मिलता है कि अब उसके मन में नई ग्रहणशीलता आई है; वह पहले की तरह तिरस्कार नहीं करता, बल्कि छुपे अर्थ/रहस्य खोजने लगता है।

» लहरों का गीत: स्वतंत्रता, प्रकाश और साहस का संदेश

प्रश्न 21 (आसान). लहरों का गीत किसके लिए है?
उत्तर – उन साहसी लोगों के लिए जो अपने प्राणों को हथेली पर रखकर घूमते हैं।

प्रश्न 22 (आसान). गीत के अनुसार वीरता का असर क्या बनकर आगे चलता है?
उत्तर – अँधेरे में प्रकाश बनकर।

प्रश्न 23 (मध्यम). 'तुम अमर हो' का मतलब क्या है–शरीर या आदर्श?
उत्तर – शरीर नहीं, आदर्श/नाम/प्रेरणा अमर रहती है।

प्रश्न 24 (कठिन). साँप के बदले हुए दृष्टिकोण (पहले आकाश को मज़ाक समझना, फिर रहस्य/अर्थ समझना) को 'लहरों के गीत' वाले संदेश से जोड़कर समझाइए।
उत्तर – पहले साँप हल्की नजर से देखता था, लेकिन बाज के बलिदान से उसे एहसास हुआ कि साहस का अर्थ बड़ा होता है। लहरों का गीत उसे यह समझाता है कि वीरता अँधेरे में प्रकाश बनकर आगे चलती है और स्वतंत्रता-प्रेम पैदा करती है, इसलिए आकाश/जीवन का 'अर्थ' उसके लिए रहस्य की तरह गहरा हो जाता है।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. कहानी की शुरुआत में समुद्र किनारे पर्वत की गुफा और नदी के शोर का वर्णन है। बताइए–इस परिवेश से साँप का प्रारंभिक स्वभाव कैसे स्पष्ट होता है?

› परिवेश पहचानो: समुद्र की लहरें टकराती हैं और नदी शोर मचाती हुई बहती है।
› ध्यान दो कि साँप कहाँ है: वह अँधेरी गुफा में रहता है।
› सोचो माहौल का विरोधाभास: बाहर शोर है, लेकिन साँप की जगह सुरक्षित/अपने नियंत्रण में है।
› फिर पाठ के संकेत पढ़ो: साँप 'देखता' है और 'मन ही मन खुश होता है' कि वह सुखी व सुरक्षित है।
› निष्कर्ष लिखो: इसलिए साँप का प्रारंभिक स्वभाव गुफा-प्रेमी और सुरक्षा-प्रिय है।

उत्तर – समुद्र और नदी का शोर बाहर है, जबकि साँप अँधेरी गुफा में है। बाहर की हलचल के बावजूद साँप अपने सुरक्षित स्थान में खुश रहता है–इसलिए उसका प्रारंभिक स्वभाव गुफा-प्रेमी और सुरक्षा-प्रिय (सुकून खोजने वाला) स्पष्ट होता है।

उदाहरण 2. घायल बाज के "कोई शिकायत नहीं" विचार के पीछे क्या कारण है? 3 बिंदुओं में समझाओ।

› सबसे पहले बताओ कि बाज शिकायत क्यों नहीं करता–उसकी सोच बदहवासी वाली नहीं है
› फिर कारण जोड़ो: उसने जीवन के सुख "जी भरकर" भोगे, इसलिए अंदर अधूरापन नहीं
› आखिर में अनुभव का प्रमाण लिखो: दूर-दूर तक उड़ानें भरना, आकाश की ऊँचाइयों को नापना

उत्तर – घायल बाज शिकायत इसलिए नहीं करता क्योंकि उसे गुस्से के साथ दोषारोपण की आदत नहीं है; उसने अपनी ताकत रहते हुए जीवन के सुख "जी भरकर" भोगे हैं, इसलिए उसके भीतर "जो नहीं मिला" वाली पीड़ा नहीं है; और वह अपने अनुभव से प्रमाण देता है कि उसने दूर-दूर तक उड़ानें भरकर आकाश की ऊँचाइयों को नापा है।

उदाहरण 3. साँप के भाषण के आधार पर लिखो कि वह 'आकाश' के खिलाफ कौन-कौन से तर्क देता है, और वे तर्क मिलकर उसे कौन सा फैसला दिलाते हैं।

› पहचानो: साँप पहले आकाश को आकर्षक/ज़रूरी मानने से इनकार करता है ("आखिर रखा क्या है?" जैसी बातों से)।
› फिर तुलना करो: साँप उड़ने को रेंगने से जोड़कर उड़ने को 'अजीब/अनुपयुक्त' बनाता है।
› सुरक्षा वाला तर्क लिखो: गुफा में आराम और सुरक्षा मिलने की बात करता है।
› जोखिम वाला तर्क लिखो: उड़ना लेकर 'क्यों' की वजह नहीं छोड़ता–उड़ना जोखिम जैसा दिखाता है।
› अंतिम ढाल लिखो: मौत की नियति वाली बात कहकर कोशिश का महत्व घटा देता है।
› निष्कर्ष लिखो: इसलिए वह कहता है कि उसके लिए आकाश नहीं, गुफा ठीक है।

उत्तर – साँप के तर्क ये हैं: (1) आकाश में रखा ही क्या है–यानी वह आकाश का महत्व नकारता है। (2) उड़ने को रेंगने से जोड़कर उसे अस्वीकार्य/अनुपयुक्त बनाता है। (3) गुफा को 'आरामदेह और सुरक्षित' बताता है–इसलिए वहीं रहना बेहतर। (4) उड़ने को जोखिम के रूप में पेश करता है। (5) 'अंत में सबकी मृत्यु की नियति है' कहकर कोशिश की जरूरत ही कम कर देता है। इन सब मिलकर उसका फैसला बनता है–'मेरे लिए तो यह गुफ़ा भली।'

उदाहरण 4. साँप उड़ने को मूर्खतापूर्ण कहता है और बाज की कोशिश पर डर का तर्क बैठा देता है। इस टकराव के बीच बाज की 'आखिरी कोशिश' का कारण क्या कहा जा सकता है, और इससे आगे क्या प्रभाव पड़ता है?

› टकराव पहचानो: डर का तर्क (साँप) बनाम आशा/चाह का फैसला (बाज)
› बाज का व्यवहार देखो: खुले आकाश तक खींचना, साँस लेना, पंख फड़फड़ाना और उड़ने की कोशिश करना
› परिणाम देखो: पंख कमजोर हैं इसलिए उड़ नहीं पाता, पर कोशिश रुकती नहीं
› आगे का असर जोड़ो: बाज की कोशिश से साँप के मन में सवाल और चाह जागती है

उत्तर – बाज की आखिरी कोशिश का कारण उसकी आकाश-आशा (पाने की चाह) है जो डर के तर्क से दबती नहीं। भले वह उड़कर सफल नहीं होता, उसकी कोशिश आशा को जीवित रखती है और यही कारण बनती है कि साँप के मन में भी आकाश को लेकर सवाल व इच्छा जागती है।

उदाहरण 5. साँप के अनुभव के आधार पर बताओ: उसका दृष्टिकोण (सोच) पहले जैसा क्यों नहीं रहा और अंत में वह किस चीज़ का महत्व समझता है?

› साँप का पहला भाव पहचानो–वह बाज की बातें/आकाश को हल्का मान रहा था, इसलिए मज़ाक भी आया।

› फिर घटना का असर जोड़ो–बाज़ की मृत्यु और आकाश के प्रति प्रेम साँप के मन में ठहरता है, उसे सवाल देता है।

› साँप की सोच में बदलाव समझो–अब वह आकाश को 'रहस्य' मानता है, सिर्फ मज़ाक नहीं।

› नया संकेत पकड़ो–चट्टानों के नीचे मधुर गीत सुनकर उसे एहसास होता है कि अर्थ सिर्फ ऊपर नहीं, चारों तरफ महसूस होता है।

› निष्कर्ष लिखो–जब अनुभव दिल में अर्थ बनाता है, तो दृष्टिकोण बदलता है; आकाश अब उसके लिए तुच्छ नहीं रहता।

उत्तर – साँप का दृष्टिकोण इसलिए बदला क्योंकि बाज का बलिदान उसके मन में सवाल और नया अनुभव पैदा करता है। वह पहले आकाश को मज़ाक की तरह देखता था, लेकिन अनुभव से उसे आकाश 'रहस्य/अर्थ' वाला लगता है। अंत में वह समझता है कि हर चीज़ का मूल्य तब समझ आता है जब अनुभव दिल में उतर जाए।

उदाहरण 6. साँप जब लहरों का गीत सुनता है, तो उसमें स्वतंत्रता, प्रकाश और साहस–तीनों भाव कैसे जुड़ते हैं? कहानी की पंक्तियों के आधार पर कारण लिखो।

› पहले कारण: लहरें 'गीत' बनकर साहसियों का सम्मान करने वाली बात कहती हैं, इसलिए साँप के दिल पर असर पड़ता है।

› दूसरा कारण: गीत यह बताता है कि साहसियों का बलिदान 'अँधेरे में प्रकाश' फैलाता है–यानी डर खत्म होकर उम्मीद आती है।

› तीसरा कारण: गीत कहता है कि इस प्रकाश के साथ साहसी दिलों में स्वतंत्रता और प्रकाश के लिए प्रेम भी बढ़ता है।

› चौथा कारण: गीत जोर देकर कहता है कि बलिदान के बाद भी नाम/आदर्श अमर रहते हैं–इसलिए साँप का दृष्टिकोण बदलता है।

उत्तर – साँप लहरों को सुनकर समझता है कि बाज जैसे साहसी लोगों का बलिदान सिर्फ एक घटना नहीं, आगे चलकर 'अँधेरे में प्रकाश' बनता है। इस प्रकाश से बहादुर दिलों में स्वतंत्रता और प्रकाश के लिए प्रेम पैदा होता है और बाज का नाम/आदर्श अमर रहकर दूसरों को हिम्मत देता रहता है।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

- प्रश्न आते हैं: 'परिवेश क्या है?' और 'प्रारंभ में पात्र का स्वभाव कैसे?'–दोनों लिखो।
- कारण लिखो: शिकायत का खालीपन नहीं–बाज़ ने सुख जी लिया।
- साँप के 2-3 तर्क बिंदु लिखो: 'बेकार + जोखिम + नियति' – यही उत्तर का केंद्र बनेगा।
- लघु उत्तर में 'टकराव (डर बनाम आशा)' + 'प्रभाव (साँप का मन बदलना)' जरूर लिखो।
- उत्तर लिखो: पहले भाव + अनुभव + नया अर्थ दृष्टिकोण परिवर्तन।
- प्रश्न आए तो "अँधेरे में प्रकाश" और "स्वतंत्रता-प्रेम" को कारण सहित लिखो।

एक नज़र में रिवीज़न

› - परिवेश: जगह+आवाज़; स्वभाव: शुरुआत की पसंद-चाह

› शिकायत नहीं = जीवन के सुख "जी भरकर" भोगे

› - आकाश: बेकार, उड़ना: जोखिम; गुफा: सुरक्षा, मौत की नियति: बहाना

› टूटे पंख–फिर भी कोशिश; असर साँप तक

› - अनुभव दिल में अर्थ बनाता है, दृष्टिकोण बदलता है।

› - अँधेरे में प्रकाश: स्वतंत्रता-प्रेम, आदर्श अमर